DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Since he mentioned about NTR, I would like to ...*(Interruptions)*...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Sivaji, you please take your seat. Mr. Thulasi Reddy, I gave you half a minute. That is over already. I am going to call the next speaker. Mr. Hanumanthappaji.

SHRI H. HANUMANTHAPPA : Actually, I took the lead from Dr. Jain who offered to criticize the BJP Government.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN : I am not offering...*(Interruptions)*... He spoke against Congress Governments. I just thought that I could clarify to about this.

SHRI H. HANUMANTHAPPA : That is why, I am following you.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Dr. Jain, you please take your seat. He is making a Special Mention.

DR. JINENDRA KUMAR JAIN : He referred to my name and I am explaining to him what I said. Otherwise, it is such a lovable charge.

Need to Establish Dr. Ambedkar University in Uttar Pradesh

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka) : I am taking the lead from what you said. I start with the BJP Government, Sir. Actually, government is permanent. Parties may come and go. A national programme for the interest of the people of the State which was started by the Congress Government has been sabotaged by the BJP Government in Uttar Pradesh. In the memory of Baba Saheb Ambedkar, a university was thought of by the earlier Government. All preparations were made and the foundation stone was laid by late Shri Rajiv Gandhi and the Government went with all its plans to implement the scheme. The change of government in Uttar Pradesh has given it a total go-bye just by writing to the Centre asking it to make it a Central University which has not come into existence at all. It was the duty of the Uttar Pradesh Government to establish the university according to the decision of the previous Government. You establish the university. If there is any problem in establishing the university, they can very well ask the Government of India for any assistance, help or for anything. Even without starting the university without taking any action to start the university. Kalyan Singhji indulged only in writing letters to the Centre that we cannot do this. This is how .. *(Interruptions)* ..

SHRI VISHNUKANT SHASTRI (Uttar Pradesh) : Can he take the name of a Chief Minister who is not here ?

श्री एस० एस० अहलुवालिया (बिहार) : इसे छोड़िए ।

SHRI VISHNU KANT SHASTRI : He could have said 'the Chief Minister of Uttar Pradesh'.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER) : He has referred to Uttar Pradesh only...*(Interruptions)*...

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे (गुजरात): अभी क्यों नहीं कहा .... **(व्यवधान)**

THE VICE CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Hanumanthappaji, you can continue.

SHRI H. HANUMANTHAPPA : Just a minute. Please allow me. My friends are in the National Party. They call it a National Party. When Mr. Vijaya Bhaskara Reddy's name was taken, they did not object. They have a duty, Sir. They have a duty. When I said Kalyan Singh...*(Interruptions)*...

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : आपके मिनिस्टर ने कहा था कि चीफ मिनिस्टर कहिए या स्टेट गवर्नमेंट कहिए ।

SHRI H. HANUMANTHAPPA : Please do not repeat that. If Kalyan Singhji was not the Chief Minister of Uttar Pradesh, I would not have taken his name.

[SH. H. HANUMANTHAPPA]

You should know what is going on, in what context. This is not a personal allegation. After all, as Chief Minister of Uttar Pradesh, he has written a letter. I am referring to him as Chief Minister. If he is not Chief Minister of Uttar Pradesh, where is the question of taking him name. A letter has been written... (*Interruptions*)

DR. NAUNIHAL SINGH (Uttar Pradesh) : Dr. Ambedkar does not belong to one State... (*Interruptions*) ...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : You see, the Chairman has allowed it and, therefore, he is raising this issue.

SHRI H. HANUMANTHAPPA : My point here is why the next Government which came to power there has sabotaged and not implemented a scheme, sponsored by the earlier Government, which is in the interest of the State only and which is not in the interest of the people sitting in Delhi. This is my question. I am not blaming anybody. It is a programme of the Government. It was a well-thought-out scheme for the Ambedkar Centenary Celebrations by the then UP Government. But the succeeding Government, which came to power there, has sabotaged the whole plan and not done anything about it. I, therefore, request the Government of India to write to the UP Government to see that they start the University as per the original programme conceived by the earlier UP Government. If there is any problem, just as any other University may have, they can always come to the Central Government or the UGC. After starting it also, if they feel so, they can write to the Central Government to take it over as a Central University. Instead of doing that, even without starting the University, even without showing their bonafides to start the University, just shuttling the ball between Lucknow and Delhi and asking the Centre to take over the University as a Central University is not the right thing to do for the BJP Government. Therefore, I would like to urge upon the UP Government to take up this scheme that was started by the previous Government for the benefit of the people of the State and come to the Centre or the UGC if they have any problem. Thank you, Sir.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख का समर्थन इस संशोधन के साथ करने खड़ा हुआ हूं कि श्री राजीव गांधीजी ने जब इसका फाउंडेशन स्टोन किया था तो 111 करोड़ रुपया सेंटर से देने की घोषणा की गई थी और 241 एकड़ जमीन श्री नारायणदत्त तिवारी के जमाने में इस कार्य के लिए खरीदी गई थी।

SHRI JAGDISH TYTLER : Sir, is he replying to his Special Mention ?

श्री संघ प्रिय गौतम : इस समय की सरकार ने 255 एकड़ जमीन और खरीदी है और सौ करोड़ रुपया पांच साल में इस कार्य के लिए निर्धारित किया है। वहां बिल्डिंग का कंस्ट्रक्शन शुरू हो गया, लेकिन केन्द्र सरकार ने रुपया नहीं दिया है। और न ही उसे सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनाने की नीयत है। ... (व्यवधान) ...

श्री जगदीश टाइटलर : आप इनका जवाब दे रहे हैं ?

श्री संघ प्रिय गौतम: : मैं एसोसिएट कर रहा हूं।

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : क्या माननीय सदस्य की यह राय है कि वह नहीं बनना चाहिए ?

SHRI SANGH PRIYA GAUTAM : The responsibility does not lie on the State Government alone, it lies on the Central Government also.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Mr. Gautam, this, is not a subject for quarrel.

श्री राम नरेश यादव : महोदय, मैं माननीय सदस्य श्री हनुमनतप्पाजी ने विशेष उल्लेख के माध्यम से लखनऊ में बाबा भीमराव अम्बेडकर के नाम से स्थापित होने जा रही यूनिवर्सिटी का जो प्रश्न उठाया है, उसमें

प्रदेश सरकार की निष्क्रियता और असंवैधानी के संबंध में आपका और इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। उपसभाध्यक्ष महोदय, तीसरी बार यह प्रश्न सदन में आया है। महोदय, उस समय अंबेडकर शताब्दी वर्ष के आरम्भ में स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधीजी ने इस विश्वविद्यालय का शिलान्यास किया था।

उपसभाध्यक्ष (श्री वी० नारायणसामी) : जल्दी खत्म करिए।

श्री राम नरेश यादव : महोदय, उनके कर-कमलों द्वारा उसका शिलान्यास हुआ था। मैं भी उस समय वहां मौजूद था। उन्होंने यह कल्पना की थी कि इस विश्वविद्यालय के माध्यम से इस प्रकार की सर्वांगीण शिक्षा दी जाये ताकि हमारे अनुसूचित जनजाति और दूसरे दलित समाज के लोग उसमें शिक्षा ग्रहण करके विशेष रूप से जो बाबा अम्बेडकर जी का जो सपना था और राष्ट्रपिता बापू के बताए रास्ते पर चलकर देश को बना सकें। इसी उद्देश्य को लेकर उसका शिलान्यास हुआ था उस बिल्डिंग की चारदीवारी भी बननी आरंभ हुई और करीब 40-50 हजार रुपया उस पर खर्च हो चुका है। यह सब चल रहा था तब तक उ०प्र० में इनकी सरकार आ गई और इस सरकार के आने के बाद उस सारे काम को ठप्प कर दिया गया है। मैं माननीय गौतम जी से कहना चाहता हूं .....

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI V. NARAYANASAMY) : Please conclude now. You must conclude now.

श्री राम नरेश यादव : कि वे अंबेडकर जी का नाम जरूर लेंगे, लेकिन अंबेडकर जी के उस सपने को कार्यान्वित करने की दिशा में, कांग्रेस के उस समय के प्रधानमंत्री जी ने जो महत्वपूर्ण कदम उठाया था, ऐतिहासिक कदम उठाया था, उस उठते हुए कदम को बी० जे० पी० की सरकार ने बिल्कुल ही रोक दिया है और वह इसलिए रोक दिया है क्योंकि उनको फुर्सत ही नहीं है उस कार्य को देखने की। वह तो कहीं रथ यात्रा और दूसरे कार्यों में लगी हुई है। इस समय वह राम जन्मभूमि के नाम पर अयोध्या में कार सेवकों को भेजकर देश में अव्यवस्था फैलाने में लगी है। महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के प्रस्ताव का समर्थन करता हूं और आपके माध्यम से मेरा सरकार से आग्रह है कि केन्द्र सरकार प्रदेश की सरकार को निर्देशित करे कि वहां विश्वविद्यालय का जो काम ठप्प पड़ा हुआ है जहां पर जो काम ठप्प है, उस काम को आगे बढ़ाया जाए और बाबा भीमराव अम्बेडकर के सपनों को साकार करने के लिए, स्वर्गीय दिवंगत राजीव गांधीजी ने जो सपना देखा था उसको साकार करने के लिए प्रदेश सरकार कदम उठाए।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपको धन्यवाद देता हूं और उस महत्वपूर्ण विषय से अपने को संबद्ध करता हूं।

Central Government's Directions to Implement Supreme Court's Judgement on Mandal Commission's Recommendations.

श्री संघ प्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं अपने इस विशेष उल्लेख के माध्यम से भारत सरकार का और विशेष रूप से प्रधानमंत्री जी का कल्याण मंत्री जी का, गृह मंत्री जी का और सूचना मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करने के लिए एक अपील करना चाहता हूं। पिछले सप्ताह मैंने एक विशेष उल्लेख प्रस्तुत किया था और यह आशंका व्यक्त की थी कि आरक्षण विरोध तो आपका बंद हो जाएगा लेकिन अनुसूचित जाति/जनजातियों का कहीं बहुत बड़ा अहित न हो जाए। आज मान्यवर, वह साकार हो गया, बजाय इसके कि भारत सरकार का कल्याण मंत्रालय प्रदेश सरकारों को और केन्द्र शासित राज्यों को यह निर्देश देती। सुप्रीम-कोर्ट ने 16 तारीख को अपने निर्णय में, जो मण्डल कमीशन